वास्तुशास्त्र की आधुनिक युग में उपयोगिता

अंजलि उपाध्याय

रोटी, कपड़ा और मकान यही मनुष्य की मूलभूत आवश्यकता है। उसमें भी मकान अर्थात् घर जो बने वह ऐसा बने की मनुष्य की चतुर्दिक वृद्धि हो परन्तु कभी–कभी बिल्कुल इसके विपरीत होता है, हम अपने आस–पास ही देखते है कि कोई बहुत बड़ा बंगला है उसमें बहुत धनाढ्य लोग है किन्तु वहॉ शान्ति नहीं है। और वहीं दूसरी ओर छोटा सा ही मकान है किन्त वहॉ कोई आधि–व्याधि नहीं है।

अतः इन दुःखों का एक निवारण वास्तुशास्त्र ही है। वास्तुशास्त्र ज्योतिषशास्त्र का ही एक हिस्सा है जिसका उपयोग करके हम इन दुःखों का निवारण कर सकते है।